राष्ट्रीय व्यवहार में हिंदी को काम में लाना देश की एकता और उन्नति के लिए आवश्यक है।

-महात्मा गांधी

भाषा की सरलता, सहजता और शालीनता अभिव्यक्ति को सार्थकता प्रदान करती है। हिंदी ने इन पहलुओं को खूबसूरती से समाहित किया है।

-नरेन्द्र मोदी (प्रधानमंत्री)

भारतीय सभ्यता की अविरल धारा प्रमुख रूप से हिंदी भाषा से ही जीवंत तथा सुरक्षित रह पाई है।

-अमित शाह (गृह मंत्री)

हिंदी भाषा एक ऐसी सार्वजनिक भाषा है, जिसे बिना भेद-भाव प्रत्येक भारतीय ग्रहण कर सकता है।

-मदन मोहन मालवीय

हिंदी राष्ट्रीयता के मूल को सींचती है और उसे दृढ़ करती है।

-पुरुषोत्तम दास टंडन

हिंदी हमारे राष्ट्र की अभिव्यक्ति का सरलतम स्रोत है।

-सुमित्रानंदन पंत

हिंदी राष्ट्रीय एकता का प्रतीक है।

-डॉ सम्पूर्णानन्द

हिन्दी द्वारा सारे भारत को एक सूत्र में पिरोया जा सकता है।

-स्वामी दयानंद

समस्त भारतीय भाषाओं के लिए यदि कोई एक लिपि आवश्यक हो तो वह देवनागरी ही हो सकती है।

-जस्टिस कृष्णस्वामी अय्यर

हिन्दी चिरकाल से ऐसी भाषा रही है जिसने मात्र विदेशी होने के कारण किसी शब्द का बहिष्कार नहीं किया।

-डॉ. राजेन्द्र प्रसाद

आप जिस तरह बोलते हैं, बातचीत करते हैं, उसी तरह लिखा भी कीजिए। भाषा बनावटी नहीं होनी चाहिए।

-महावीर प्रसाद द्विवेदी

हिंदी चिरकाल से ऐसी भाषा रही है जिसने मात्र विदेशी होने के कारण किसी शब्द का बहिष्कार नहीं किया।

-डॉ. राजेन्द्र प्रसाद